

महाराष्ट्र में नये डाकघरों तथा तारघरों की स्थापना

1991 { श्री हे० शि० पाटिल  
श्री तुलशी दास जाधव :  
श्री कांबले :

नया संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र में नये डाकघर खोलने तथा टेलीफोन और तार सुविधाओं की व्यवस्था करने से सम्बन्धित कितने प्रस्ताव विचाराधीन हैं और उन स्थानों के नाम क्या हैं; और

(ख) इस मामले में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

संचार विभाग में उपमंत्री (श्री मणवती) : (क) निम्न कार्यालय स्थापित करने के प्रस्ताव संख्या

- |                            |                  |
|----------------------------|------------------|
| (i) डाकघर                  | 68] स्य नों के   |
| (ii) तारघर                 | 211] नामों का    |
| (iii) सार्वजनिक टेलीफोन घर | संलग्न 91] विवरण |
| (iv) टेलीफोन केंद्र        | 13] पत्र समा-    |

पत्र पर रखा गया है [ पुस्तकालय में रखा गया बैल्डि संख्या LT-4830/65 ] ।

(ख) ऊपर (क) में दी गई संख्याओं में से निम्नलिखित प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है ।

- |                            |    |
|----------------------------|----|
| (i) डाकघर                  | 19 |
| (ii) तारघर                 | 81 |
| (iii) सार्वजनिक टेलीफोन घर | 71 |

शेष मामलों से सम्बन्धित प्रस्ताव विचाराधीन हैं । टेलीफोन केंद्र स्थापित करने के 13 प्रस्तावों के सम्बन्ध में आवश्यक प्राक्कननों को मंजूरी देने और सामान प्राप्त करने की कार्यवाही की जा रही है ।

Rehabilitation of Tibetan Women

1992. { Shri Ram Harkh Yadav:  
Shri Murli Manohar:

Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether Government propose to adopt measures for the rehabilitation of the Tibetan women;

(b) if so, the details of the measures and the estimated expenditure involved; and

(c) whether Vocational Training centres are being started in collaboration with the Buddhist Charitable institutions?

The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh) (a) There is no separate scheme for rehabilitation of Tibetan women.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.

Land for Military Service Personnel

1993. { Shri M. P. Swamy:  
Shri Arunaachalam:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the number of applications made during the years 1964 and 1965 so far by the Defence Services personnel from Madras State for the allotment of cultivable Government land in their favour;

(b) the number of persons who have been allotted cultivable Government land so far and the total extent of land allotted; and

(c) the number of applications yet to be disposed of and the reasons for the delay?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) to (c). During 1964, 12 applications and during 1965, 4 applications have up-to-date been received from Military Service personnel

from Madras State for allotment of defence land for cultivation purposes. All these applications have been rejected or will be rejected as Military Service personnel do not fall under the prescribed categories of persons to whom defence land can be allotted for purposes of cultivation. Information in respect of number of applications made to the State Government for allotment of State Government land is not available but is being collected and will be laid on the Table of the House in due course.

**Telephone Exchanges in M. P.**

1994. Shri Lakhmu Bhawan: Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) the number of telephone exchanges in M. P. as on the 30th June, 1965;

(b) whether there is any proposal to increase them during 1965-66; and

(c) if so, the names of places where the exchanges will be opened?

The Deputy Minister in the Department of Communications (Shri Bhagwati): (a) 166.

(b) 10.

- (c) 1. Abhanpur  
2. Ambah  
3. Anjad  
4. Barwani  
5. Bemetara  
6. Depalpur  
7. Khairagarh  
8. Mehidpur  
9. Simga  
10. Sironj

These proposals are dependent upon the supply of stores, keeping in view the other emergent demand.

**कक्षा घन**

1995. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :  
श्री जगदीश सिंह सिद्धान्ती :

क्या वल्लेखिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मालूम है कि भारत स्थित कुछ विदेशी राजदूतावास और वाणिज्य दूतावास कुछ व्यक्तियों को अपने काले घन को बोरी छिपे विदेश में भेजने के लिये सहायता दे रहे हैं; और

(ख) यदि हाँ, तो इसकी रोकथाम करने के लिये क्या पग उठाये गये हैं ?

वल्लेखिक-कार्य मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) :  
(क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

**स्कूलों के लिए प्राकाशवाणी के कार्यक्रम**

1996. श्री वाग्वी : क्या सुचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्राकाशवाणी से स्कूलों के लिये कार्यक्रम प्रसारित किये जाते हैं;

(ख) यदि हाँ, तो ऐसे स्कूलों की संख्या कितनी है जिनमें रेडियो का प्रबन्ध किया गया है ;

(ग) क्या सरकार ने स्कूलों में टेली-वीजन लगाने की योजना बनाई है, और

(घ) यदि हाँ, तो इसका व्यय क्या है ?

सुचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) जी, हाँ ।

(ख) उपबन्ध नवीनतम प्राकड़ों के अनुसार, 31 दिसम्बर, 1964 को ऐसे स्कूलों की संख्या 26,820 थी ।

(घ) जी, हाँ ।